भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †5037
सोमवार, 23 मार्च, 2026/02 चैत्र, 1948 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

बौद्ध पर्यटन सर्किट का विकास और संवर्धन

†5037. श्री राजीव प्रताप रूडी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत परिकल्पित बौद्ध पर्यटन सर्किट की वर्तमान स्थिति क्या है और विकसित किए जा रहे चिन्हित बौद्ध विरासत स्थलों की संख्या तथा अवसंरचना उन्नयन, व्याख्या केंद्रों और पर्यटक सुविधाओं के लिए कितनी केंद्रीय वित्तीय सहायता राशि आवंटित की गई है;

(ख) सरकार द्वारा सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कपिलवस्तु, बोधगया और राजगीर जैसे प्रमुख बौद्ध तीर्थस्थलों के बीच अंतर-राज्यीय तथा अंतरराष्ट्रीय संपर्क को बढ़ावा देने के लिए देशी एवं विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) भारत, विशेषकर बिहार में प्रमुख बौद्ध सर्किट स्थलों पर प्रति वर्ष स्थानीय एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या तथा इसके आर्थिक एवं रोजगार संबंधी प्रभाव का ब्यौरा क्या है; और

(घ) भारत को वैश्विक स्तर पर प्रमुख बौद्ध पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से पर्यटन से संबंधित रोजगार बढ़ाने, पर्यटक मार्गदर्शकों के क्षमता निर्माण तथा विरासत के सतत संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए विशिष्ट उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): बौद्ध तीर्थ स्थलों सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्यतः संबंधित राज्य सरकारों/राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं जैसे- 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)'- एसडी 2.0 की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को उनसे योजना दिशानिर्देशों एवं सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की प्राप्ति पर तथा निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके, उनके पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने बौद्ध परिपथ सहित चिह्नित विषयगत परिपथों के अंतर्गत पर्यटन अवसंरचना के एकीकृत विकास के लिए वर्ष 2014-15 में स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) शुरू की थी। इस योजना के तहत, विभिन्न राज्यों में कुल ₹5290.33 करोड़ के परिव्यय वाली परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया था और योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार इन्हें क्रियान्वित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास योजना' नामक अपनी पहल के माध्यम से वर्ष 2024-25 में पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की है।

सम्पूर्ण भारत में बौद्ध स्थलों पर एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी, प्रशाद और एसएएससीआई योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

मंत्रालय घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रदर्शनियों और मेलों में भागीदारी, परिचय यात्राओं (एफएएम) के आयोजन, हितधारकों के साथ जुड़ाव, मेलों और महोत्सवों के आयोजन हेतु राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को सहायता और आधिकारिक प्लेटफार्मों द्वारा डिजिटल संवर्धन जैसी विभिन्न सतत पहलों के माध्यम से बौद्ध स्थलों सहित देश के पर्यटन स्थलों का संवर्धन करता है।

मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सहयोग के ढांचे के तहत नेपाल, भूटान, श्रीलंका और थाईलैंड जैसे पड़ोसी देशों के साथ भी संपर्क में रहता है, जिसमें बौद्ध पर्यटन को बढ़ावा देना भी शामिल है।

कुशीनगर, बोधगया, राजगीर, नालंदा, वैशाली, सारनाथ और श्रावस्ती जैसे प्रमुख बौद्ध स्थलों तक संपर्कता को संबंधित मंत्रालयों/एजेंसियों द्वारा हवाई, रेल और सड़क अवसंरचना के विकास के माध्यम से बढ़ाया गया है। जहां एक ओर कुशीनगर स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से तीर्थयात्रियों के लिए हवाई संपर्कता में सुधार हुआ है, वहीं संबंधित अधिकारियों द्वारा विकसित राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से सड़क संपर्कता सुदृढ़ हुई है। लुम्बिनी सहित महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थ स्थलों को कवर करने वाली विषय-आधारित पर्यटक ट्रेनें भी संचालित की जाती हैं।

पर्यटन मंत्रालय संबंधित राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त जानकारी के आधार पर घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) और विदेशी पर्यटक यात्राओं (एफ़टीवी) से संबंधित आंकड़ें संकलित करता है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन के आर्थिक और रोजगार संबंधी प्रभावों का गंतव्य-वार डेटा एकत्रित नहीं किया जाता है। हालांकि, वर्ष 2023-24 में देश में पर्यटन क्षेत्र से जुड़े कुल रोजगार (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) की संख्या 84.63 मिलियन थी। वर्ष 2023-24 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन की कुल 5.22% हिस्सेदारी अनुमानित है। बिहार राज्य, जिसमें बोधगया, नालंदा, राजगीर और वैशाली जैसे प्रमुख बौद्ध गंतव्य सहमिल हैं और भारत के अन्य राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में पिछले पांच वर्षों के दौरान पर्यटकों की संख्या का विवरण अनुबंध-II में दिया गया है।

इसके अलावा, मंत्रालय संबंधित हितधारकों के समन्वय से और मौजूदा नीतिगत ढांचे के अनुसार, अपने चल रहे कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण, कौशल विकास और स्थायी पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देने में सहयोग करता है।

*****

अनुबंध-I

श्री राजीव प्रताप रूडी द्वारा बौद्ध पर्यटन सर्किट का विकास और संवर्धन के संबंध में दिनांक 23.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †5037 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

संपूर्ण भारत भर में बौद्ध स्थलों पर एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी, प्रशाद और एसएएससीआई योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**योजना**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	आंध्र प्रदेश	एसडी	2017-18	बौद्ध परिपथ: शालीहुंडम - बाविकोंडा - बोज्जनकोंडा-अमरावती - अनूपु का विकास	35.24
2.	आंध्र प्रदेश	सीबीडीडी	2024-25	नागार्जुन सागर में बौद्ध विरासत और सांस्कृतिक अनुभवों का संवर्धन	25.00
3.	आंध्र प्रदेश	प्रशाद	2015-16	अमरावती में तीर्थ सुविधाओं का विकास	27.77
4.	बिहार	एसडी	2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास - बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18
5.	बिहार	एसडी 2.0	2024-25	बोधगया में बौद्ध ध्यान एवं अनुभव केंद्र का विकास	165.44
6.	छत्तीसगढ़	प्रशाद	2020-21	डोंगरगढ़, राजनंदगांव जिला, छत्तीसगढ़ में माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर का विकास	48.44
7.	गुजरात	एसडी	2017-18	जूनागढ़ - गिर सोमनाथ - भरूच - कच्छ - भावनगर - राजकोट - मेहसाणा का विकास	26.68
8.	मध्य प्रदेश	एसडी	2016-17	सांची - सतना - रीवा - मंदसौर - धार का विकास	74.02
9.	सिक्किम	प्रशाद	2020-21	युकसोम में फोर पेट्रन सेंट्स में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	33.32
10.	उत्तर प्रदेश	एसडी	2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89
11.	उत्तर प्रदेश	प्रशाद	2015-16	वाराणसी का विकास	18.73
12.	उत्तर प्रदेश	एसएएससीआई	2024-25	श्रावस्ती में एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास	80.24
13.	तेलंगाना	सीबीडीडी	2024-25	बुद्धवनम में डिजिटल अनुभव केंद्र का विकास	24.85

****

अनुबंध-II

श्री राजीव प्रताप रूडी द्वारा बौद्ध पर्यटन सर्किट के विकास और संवर्धन के संबंध में दिनांक 23.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †5037 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

वर्ष 2021-2025 के दौरान राज्य-वार घरेलू और विदेशी पर्यटक यात्राएं (डीटीवी और एफटीवी)

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	**2021 डीटीवी**	**2021 एफटीवी**	**2022 डीटीवी**	**2022 एफटीवी**	**2023 डीटीवी**	**2023 एफटीवी**	**2024 डीटीवी**	**2024 एफटीवी**	**2025 डीटीवी**	**2025 एफटीवी**
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	126,238	1,687	235,061	4,461	323,189	9,025	710,397	11,497	722,922	10,179
आंध्र प्रदेश	93,277,569	27,551	192,716,721	165,845	254,706,328	60,426	290,266,452	262,431	333,827,759	226,311
अरूणाचल प्रदेश	102,915	182	222,437	1,055	1,040,601	4,496	869,912	4,714	794,190	4,288
असम	1,409,161	536	8,382,003	9,001	7,612,720	23,818	7,608,169	27,170	9,102,890	32,042
बिहार	2,501,193	1,046	25,330,364	86,829	81,585,701	546,576	65,463,304	736,720	68,223,783	619,447
चंडीगढ़	228,809	5,451	3,027,165	28,439	365,591	31,498	998,605	39,058	2,357,909	11,096
छतीसगढ	4,747,417	8	23,636,291	238	26,022,069	953	31,487,900	3,485	33,396,138	926
दादर नागर हवेली तथा दमन और दीप	661,222	185	799,602	1,791	1,004,327	4,048	1,358,901	2,626	3,856,126	9,099
दिल्ली	10,642,477	100,178	27,186,209	815,713	39,414,622	1,828,116	46,257,000	1,999,410	46,257,000	1,999,410
गोवा	3,308,089	22,128	7,011,992	174,799	8,175,460	452,692	9,941,286	467,911	10,314,548	551,272
गुजरात	24,525,210	11,319	135,811,325	1,777,215	178,066,579	2,806,871	184,014,075	2,274,477	217,075,988	2,351,261
हरियाणा	2,025,450	4,578	2,108,496	2,439	2,012,162	1,346	1,892,251	543	1,718,019	1,007
हिमाचल प्रदेश	5,632,270	4,932	15,070,944	29,333	15,942,118	62,806	18,041,929	82,765	13,350,748	81,570

जम्मू और कश्मीर	11,314,920	1,650	18,499,332	19,985	20,679,336	55,337	23,012,707	65,452	17,604,403	39,306
झारखंड	3,383,642	1,637	38,284,379	192,319	35,776,102	189,261	54,040,789	45,273	62,650,354	13,616
कर्नाटक	81,333,659	72,487	182,413,203	128,520	284,120,502	409,333	304,563,569	485,204	296,080,878	500,219
केरल	7,537,617	60,487	18,867,414	345,549	21,871,641	649,057	22,246,989	738,374	24,337,046	793,300
लक्षद्वीप	13,500	4	22,844	125	45,796	755	67,430	898	61,252	628
मध्य प्रदेश	25,554,067	41,601	35,848,781	204,454	111,946,409	182,685	133,176,410	167,535	152,603,121	187,940
महाराष्ट्र	43,569,238	185,643	111,297,624	1,511,623	161,359,527	3,387,739	189,371,541	3,705,170	189,371,541	3,705,170
मणिपुर	49,371	648	139,518	3,908	57,701	3,668	29,102	2,518	25,281	2,892
मेघालय	154,409	411	937,091	7,774	1,402,624	20,023	1,585,535	23,075	1,805,108	10,439
मिजोरम	87,232	234	218,420	2,611	209,122	3,754	421,888	5,414	715,568	11,319
नागालैंड	23,968	325	97,431	2,923	99,720	4,725	125,516	5,623	125,975	5,384
ओडिशा	3,742,221	2,269	7,867,909	22,121	9,725,184	45,173	10,998,819	87,854	12,553,962	59,683
पुदुचेरी	1,253,213	321	1,760,480	862	2,092,076	31,214	2,119,792	17,819	2,281,349	28,284
पंजाब	26,640,429	308,135	26,089,425	329,458	35,707,600	741,734	27,745,183	541,784	33,526,197	256,106
राजस्थान	21,988,734	34,806	108,328,156	396,684	179,051,925	1,699,869	230,084,198	2,072,407	252,290,010	1,944,329
सिक्किम	511,669	11,508	1,625,573	68,645	1,321,169	93,908	1,540,421	84,820	2,827,412	101,827
तमिलनाडु	115,336,719	57,622	218,584,846	407,126	286,011,515	1,174,899	306,842,014	1,161,302	357,095,556	1,545,988
त्रिपुरा	177,816	5	235,600	8,493	366,104	66,708	600,651	90,824	681,103	27,320

तेलंगाना	32,000,620	5,917	60,748,425	68,401	58,447,573	160,912	88,239,675	155,313	83,460,003	169,380
उत्तर प्रदेश	109,708,435	44,737	317,913,587	648,986	478,525,688	1,601,503	646,807,146	2,269,067	1,545,548,242	4,529,606
उत्तराखंड	19,434,475	8,532	54,642,559	61,561	57,570,578	143,027	60,849,060	139,375	61,573,170	159,412
पश्चिम बंगाल	24,325,984	34,828	84,542,195	1,037,017	145,669,292	2,706,942	184,475,527	3,124,462	294,318,520	3,996,141
लद्दाख	303,023	1,054	510,137	21,259	489,059	36,315	336,682	39,704	306,188	32,121
कुल	677,632,981	1,054,642	1,731,013,539	8,587,562	2,508,817,710	19,241,212	2,948,190,825	20,942,074	4,132,840,259	24,018,318

*****